	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश् वर **Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

प्रेस विज्ञप्ति

ओडिशा के माननीय राज्यपाल महामहिम डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने एनपीएसटी और एनएमएम रोल-आउट पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर, 13 मार्च 2026: शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) और नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) के राष्ट्रव्यापी रोल-आउट के लिए हितधारकों की क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आईआईटी भुवनेश्वर में सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर के सहयोग से 13-14 मार्च 2026 को सीनेट हॉल, आईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है।

कॉन्क्लेव का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चल रहे कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में किया जा रहा है, जो देश भर में शिक्षकों के लिए शिक्षक व्यावसायिकता को मजबूत करने, समर्थन देने और निरंतर व्यावसायिक विकास पर जोर देता है।

उद्घाटन सत्र राष्ट्रगान, एनसीटीई ध्येय गीत, दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुआ। माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का एक संदेश और माननीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी का एक वीडियो संदेश प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया।

कार्यक्रम में प्रोफेसर वी. पांडु रंगा, डीन (सतत शिक्षा), आईआईटी भुवनेश्वर का स्वागत भाषण शामिल था, इसके बाद एनसीटीई के अकादमिक सलाहकार डी. के. चतुर्वेदी द्वारा राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का अवलोकन दिया गया।

उद्घाटन भाषण आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक श्रीपद कर्मलकर ने दिया, जिन्होंने शिक्षक क्षमता को मजबूत करने और एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के साथ शिक्षक विकास पहल को संरेखित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि शिक्षा नीतियों की अच्छी तरह से कल्पना की जा सकती है, उनका वास्तविक प्रभाव प्रभावी कार्यान्वयन पर निर्भर करता है। यह कहते हुए कि "कोई भी राष्ट्र अपने शिक्षकों के स्तर से ऊपर नहीं उठ सकता," उन्होंने अनुसंधान-आधारित शिक्षण प्रथाओं के माध्यम से उत्कृष्ट शिक्षकों को विकसित करने में निवेश करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कक्षाओं को पारंपरिक व्याख्यान कक्षों से "अध्ययन कक्ष" के रूप में विकसित होना चाहिए जो छात्रों के बीच सहयोगात्मक शिक्षा, आलोचनात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा दे। आईआईटी भुवनेश्वर इन सभी आइडिया को लागू कर रहा है।

मुख्य भाषण एनसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा द्वारा दिया गया, जिन्होंने शिक्षकों के लिए पेशेवर मानक स्थापित करने और स्कूल शिक्षा प्रणाली में एक मजबूत परामर्श पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में एनपीएसटी और एनएमएम की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। कहा गया कि कॉन्क्लेव "भारत के शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की ताकत और विविधता" को दर्शाता है, जो कई पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों के शिक्षकों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाता है। शिक्षकों को "भारत की शिक्षा प्रणाली का पथप्रदर्शक" बताते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनईपी 2020 के तहत शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) और नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) जैसी पहल शिक्षकों की व्यावसायिकता और निरंतर सीखने को मजबूत करेगी।

मुख्य अतिथि भाषण ओडिशा के माननीय राज्यपाल, महामहिम श्री हरि बाबू कंभमपति द्वारा दिया गया, जिन्होंने राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और शिक्षक पेशेवर विकास और सलाह के लिए एक संरचित ढांचे के निर्माण में एनसीटीई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सभा “भारत के शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की ताकत और विविधता” को दर्शाती है। शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वे "भारत की शिक्षा प्रणाली के पथप्रदर्शक" हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) और नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) जैसी पहलों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षकों को सशक्त बनाना कक्षाओं को मजबूत करने और देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा।

कॉन्क्लेव में पूर्वी राज्यों के प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया, जिनमें स्कूल शिक्षा विभाग, एससीईआरटी, डीआईईटी, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के नोडल अधिकारी और केवीएस, एनवीएस, सीबीएसई और असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, झारखंड, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, सिक्किम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के राज्य बोर्डों सहित केंद्रीय और राज्य स्कूल प्रणालियों के प्रतिनिधि शामिल थे। दो दिवसीय कार्यक्रम को एनपीएसटी और एनएमएम ढांचे और उनके डिजिटल प्लेटफार्मों पर कई तकनीकी सत्र और व्यावहारिक प्रदर्शन पेश करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पहले तकनीकी सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनपीएसटी) की उत्पत्ति और वैचारिक नींव से परिचित कराया गया, इसके बाद कार्य योजना और राष्ट्रव्यापी रोल-आउट रणनीति पर एक प्रस्तुति दी गई। एनसीटीई टीम द्वारा एनपीएसटी हैंडबुक का विस्तृत अवलोकन और एनपीएसटी डिजिटल पोर्टल का लाइव प्रदर्शन किया गया। सत्र के बाद व्यावहारिक ऑनबोर्डिंग और एक ओपन-हाउस चर्चा हुई, जिससे प्रतिभागियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म और इसकी विशेषताओं से परिचित होने में मदद मिली।

दूसरे दिन, सत्र नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) पर केंद्रित होंगे, जिसके दौरान प्रतिभागियों को मिशन के दृष्टिकोण, उत्पत्ति और वैचारिक ढांचे के बारे में बताया जाएगा। चर्चा में एनएमएम के कार्यान्वयन रोडमैप को भी शामिल किया जाएगा, जिसके बाद एनसीटीई टीम द्वारा एनएमएम

डिजिटल पोर्टल का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। इंटरैक्टिव सत्र प्रतिभागियों को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और कार्यान्वयन प्रक्रिया के संबंध में स्पष्टीकरण और प्रतिक्रिया का अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास सत्र, इंटरैक्टिव चर्चा और अनुभव-साझाकरण में भी शामिल किया जाएगा, जिससे उन्हें एनपीएसटी और एनएमएम कार्यान्वयन के परिचालन पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

कॉन्क्लेव का समापन समापन सत्र के साथ किया जाएगा, जहां चर्चाओं से मुख्य अंतर्दृष्टि को संक्षेप में प्रस्तुत किया जाएगा, और प्रतिभागी एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षक पेशेवर मानकों और परामर्श ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

यह आयोजन संस्थागत तैयारियों को मजबूत करने और एनपीएसटी और एनएमएम के राष्ट्रव्यापी रोलआउट के लिए एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो देश भर में शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए एनसीटीई की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।